# Tableau synoptique des récits de l'institution de l'eucharistie. (1) JTS 5, 1033

| Matth., XXVI, 26-29 | Marc., XIV, 22-25 | Luc., XXII, 15-20 | I *Cor.*, XI, 23b-25. |
|---|---|---|---|
| | | 15. Καὶ εἶπεν πρὸς αὐτούς, ἐπιθυμίᾳ ἐπεθύμησα τοῦτο τὸ πάσχα φαγεῖν μεθ' ὑμῶν πρὸ τοῦ με παθεῖν. 16. Λέγω γὰρ ὑμῖν ὅτι οὐκέτι μὴ φάγω αὐτό, ἕως ὅτου πληρωθῇ ἐν τῇ βασιλείᾳ τοῦ θεοῦ. 17. καὶ δεξάμενος ποτήριον, εὐχαριστήσας εἶπεν· λάβετε τοῦτο καὶ διαμερίσατε εἰς ἑαυτούς· 18. λέγω γὰρ ὑμῖν, οὐ μὴ πίω ἀπὸ τοῦ νῦν ἀπὸ τοῦ γενήματος τῆς ἀμπέλου, ἕως οὗ ἡ βασιλεία τοῦ θεοῦ ἔλθῃ. | 23b. Ὁ κύριος Ἰησοῦς ἐν τῇ νυκτὶ ᾗ παρεδίδετο |
| 26. Ἐσθιόντων δὲ | 22. Καὶ ἐσθιόντων | .............. | .............. |
| αὐτῶν | αὐτῶν | .............. | .............. |
| λαβὼν | λαβὼν | 19. καὶ λαβὼν | ἔλαβεν |
| ὁ Ἰησοῦς | .............. | .............. | .............. |
| ἄρτον | ἄρτον | ἄρτον | ἄρτον |
| καὶ εὐλογήσας | εὐλογήσας | εὐχαριστήσας | 24. καὶ εὐχαριστήσας |
| ἔκλασεν | ἔκλασεν | ἔκλασεν | ἔκλασεν |
| καὶ δοὺς | καὶ ἔδωκεν | καὶ ἔδωκεν | .............. |
| τοῖς μαθηταῖς | αὐτοῖς | αὐτοῖς | .............. |
| εἶπεν· | καὶ εἶπεν· | λέγων· | καὶ εἶπεν· |
| λάβετε | λάβετε· | .............. | .............. |
| φάγετε· | .............. | .............. | .............. |
| τοῦτό | τοῦτό | τοῦτό | τοῦτό |
| ἐστιν τὸ σῶμά μου. | ἐστιν τὸ σῶμά μου. | ἐστιν τὸ σῶμά μου | μού ἐστιν τὸ σῶμα |
| .............. | .............. | b τὸ ὑπὲρ ὑμῶν | τὸ ὑπὲρ ὑμῶν· |
| .............. | .............. | διδόμενον· | .............. |
| .............. | .............. | τοῦτο ποιεῖτε | τοῦτο ποιεῖτε |
| .............. | .............. | εἰς τὴν ἐμὴν ἀνάμνησιν. | εἰς τὴν ἐμὴν ἀνάμνησιν |
| 27. καὶ λαβὼν ποτήριον | 23. καὶ λαβὼν ποτήριον | 20. καὶ τὸ ποτήριον ὡσαύ- | 25. ὡσαύτως καὶ τὸ ποτή- |
| .............. | .............. | τως μετὰ τὸ δειπνῆσαι, | ριον μετὰ τὸ δειπνῆσαι |
| καὶ εὐχαριστήσας | εὐχαριστήσας | .............. | .............. |
| ἔδωκεν αὐτοῖς | ἔδωκεν αὐτοῖς, | .............. | .............. |
| [πίετε ἐξ αὐτοῦ πάντες] | καὶ ἔπιον ἐξ αὐτοῦ πάντες. | .............. | .............. |
| λέγων· | 24. καὶ εἶπεν αὐτοῖς· | λέγων· | λέγων· |
| πίετε ἐξ αὐτοῦ πάντες | [23b. καὶ ἔπιον ἐξ αὐτοῦ | .............. | .............. |
| .............. | πάντες] | .............. | .............. |
| 28. τοῦτο γάρ | τοῦτό | τοῦτο | τοῦτο |
| ἐστιν | ἐστιν | .............. | .............. |
| τὸ αἷμά μου | τὸ αἷμά μου | .............. | .............. |
| .............. | .............. | τὸ ποτήριον | τὸ ποτήριον |
| τῆς διαθήκης | τῆς διαθήκης | ἡ καινὴ διαθήκη | ἡ καινὴ διαθήκη ἐστὶν |
| .............. | .............. | ἐν τῷ αἵματί μου | ἐν τῷ ἐμῷ αἵματι |
| τὸ περὶ πολλῶν ἐκχυννόμενον | τὸ ἐκχυννόμενον ὑπὲρ πολλῶν | τὸ ὑπὲρ ὑμῶν ἐκχυννόμενον· | .............. |
| εἰς ἄφεσιν ἁμαρτιῶν. | .............. | .............. | .............. |
| .............. | .............. | .............. | τοῦτο ποιεῖτε, ὁσάκις ἐὰν |
| .............. | .............. | .............. | πίνητε, εἰς τὴν ἐμὴν |
| .............. | .............. | .............. | ἀνάμνησιν. |
| 29. λέγω δὲ ὑμῖν· | 25. ἀμὴν λέγω ὑμῖν | [18. λέγω γὰρ ὑμῖν, | .............. |
| οὐ μὴ πίω ἀπ' ἄρτι | ὅτι οὐκέτι οὐ μὴ πίω | οὐ μὴ πίω ἀπὸ τοῦ νῦν | .............. |
| ἐκ τούτου τοῦ γενήματος | ἐκ τοῦ γενήματος | ἀπὸ τοῦ γενήματος | .............. |
| τῆς ἀμπέλου | τῆς ἀμπέλου | τῆς ἀμπέλου | .............. |
| ἕως τῆς ἡμέρας ἐκείνης | ἕως τῆς ἡμέρας ἐκείνης | ἕως οὗ | .............. |
| ὅταν | ὅταν | .............. | .............. |
| αὐτὸ πίνω | αὐτὸ πίνω | .............. | .............. |
| μεθ' ὑμῶν | .............. | .............. | .............. |
| καινόν | καινὸν | .............. | .............. |
| ἐν τῇ βασιλείᾳ | ἐν τῇ βασιλείᾳ | ἡ βασιλεία | .............. |
| τοῦ Πατρός μου. | τοῦ θεοῦ. | τοῦ θεοῦ | .............. |
| | | ἔλθῃ.] | |

(1) Nous reproduisons les textes d'après l'édition de Eberh. Nestle, *Novum Testamentum graece et latine*, 10e édit. par Erw. Nestle Stuttgart, 1930.

Texte court : texte bref D, a, d, ff2, i, l, omit 19b et 20
texte e b — omit 20 ; prend 19a entre 16 et 17
syr Cur — omit 20 ; prend 19 entre 16 et 17
syr Sin — prend 15 16 19 et complète [illegible] 20a, 17, 20b, 18
syr Peshitto — omit 17, 18
[illegible] — omit 16, 17, 18
[illegible] JTS 5, [illegible]